ट्रंप के आने से हड़कंप

चीन, अमेरिका में अवैध रूप में भारी मात्रा में ड्रग्स भेजता है। मैंने चीन के सामने पहले भी यह मुद्दा

ट्रम्प के एक बयान से चीन-कनाडा की करेंसी में गिरावट,पूर्व प्रेसिडेंट ने कहा था- शपथ लेते ही इन देशों पर 25%-35% टैरिफ लगाऊंगा

● मंथन विदेश ब्यूरो

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान से कनाडा, मेक्सिको और चीन की करेंसी में गिरावट दर्ज की गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक मेक्सिको की करेंसी पेसो डॉलर के मुकाबले एक दिन में 1.18 प्रतिशत कमजोर हुई। वहीं, कनाडा की करेंसी कनाडाई डॉलर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 1 प्रतिशत कमजोर हुई है। ये कनाडा की करेंसी में मई 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। वहीं, चीन की करेंसी युआन में भी गिरावट आई है। हालांकि, यह मेक्सिको और तुलना में कम है। चीनी करेंसी युआन डॉलर के मुकाबले 0.3 प्रतिशत कमजोर हुई है।

दरअसल, ट्रम्प ने ऐलान किया है कि वे राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही कनाडा, मैक्सिको और चीन से अमेरिका आने वाले

सामान पर भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ये तीनों देश ड्रग्स और अवैध प्रवासियों पर लगाम नहीं लगाते तब तक उन्हें अमेरिका की तरफ से लगाए गए भारी टैरिफ की मार झेलनी पड़ेगी।

सबसे ज्यादा चीन पर लगेगा टैरिफ ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि वे कनाडा और मेक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा और मेक्सिको दोनों चाहें तो अवैध प्रवासियों और ड्रग्स (फेंटेनाइल) सप्लाई पर आसानी से लगाम लगा सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसके चलते उन्हें भारी कीमत चुकानी होगी। चीन, अमेरिका में अवैध रूप में भारी मात्रा में ड्रग्स भेजता है। मैंने चीन के सामने पहले भी यह मुद्दा उठाया था। तब चीनी अधिकारियों ने वादा किया था कि वे ड्रग डीलर्स को पकड़े जाने पर मौत की सजा का कानून बनाएंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से बढ़ेगी महंगाई गौरतलब है कि अमेरिका का कनाडा, मेक्सिको और चीन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। इसके तहत इन देशों के बीच होने वाले किसी भी तरह के आयात-निर्यात पर टैरिफ (शुल्क) नहीं लगता है। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में मेक्सिको और कनाडा के साथ नॉर्थ अमेरिका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एनएएफटीए) किया था।

ट्रम्प अगर सत्ता में आने के बाद इन देशों पर टैरिफ लगाते हैं तो ये समझौते का उल्लंघन होगा। इन तीनों देशों ने 2023 में अमेरिका से 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 85 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का सामान खरीदा था। वहीं, 1.5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की बेची थीं। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के टैरिफ वॉर का सबसे ज्यादा असर ऑटो सेक्टर, कृषि, टेक्नोलॉजी, पार्ट्स-पुर्जे पर होगा। टैरिफ लगने के बाद इन चीजों की कीमत में इजाफा हो जाएगा। चीन बोला- ट्रेड वॉर में किसी की जीत नहीं होगी वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लिव पेंग्यू ने कहा कि पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई थी। इसमें ड्रग्स तस्करी से निपटने को लेकर कदम उठाए गए थे। लेकिन ये कहना कि चीन जानबूझकर फेंटानाइल जैसे ड्रग्स की अमेरिका में सप्लाई कर रहा है, सही नहीं है।

लिउ ने कहा कि चीन-अमेरिका ट्रेड दोनों देशों के लिए फायदेमंद है। इसमें छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। ट्रेड वॉर में कोई भी जीत नहीं पाएगा। कनाडा बोला- ट्रम्प से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के ऑफिस ने बयान जारी कर कहा है कि अमेरिका में ऊर्जा आपूर्ति के लिए कनाडा जरूरी है। पिछले साल अमेरिका ने जितना तेल इस्तेमाल किया था, उसका 60 प्रतिशत कनाडा से आया था। वे ट्रम्प टीम से इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मैक्सिकन अधिकारियों ने ट्रम्प के पोस्ट पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि मेक्सिको के खिलाफ टैरिफ लगाने की धमकी ट्रम्प पहले भी दे चुके हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में मेक्सिको से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। तब मेक्सिकन अधिकारियों ने कहा था वे भी टैरिफ लगाने के लिए तैयार हैं।

महाराष्ट्र में करारी हार के बाद टेंशन में राज ठाकरे, रद्द हो सकती है मनसे की मान्यता

महाराष्ट्र में करारी हार के बाद टेंशन में राज ठाकरे, रद्द हो सकती है मनसे की मान्यता

● मंथन संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में मिली करारी हार के बाद चुनाव आयोग क्या राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की मान्यता रद्द कर सकती है? सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा तेजी से चल रही है। वहीं, इस बीच राज ठाकरे ने आज अपने घर पर पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है।

महाराष्ट्र में मिली करारी हार के बाद राज ठाकरे की टेंशन बढ़ गई है। सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा जोरो पर है कि चुनाव आयोग राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की मान्यता रद्द कर सकती है। जानकारों के मुताबिक, विधानसभा चुनावों में कम से कम एक विधानसभा सीट या मतदान का 8 प्रतिशत वोट शेयर ना मिलने पर मान्यता जा सकती है।

इस टेंशन के बीच राज ठाकरे ने आज अपने घर पर पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है। बैठक में चुनाव में खराब प्रदर्शन और आगे की रणनीति पर चर्चा हो सकती है। महाराष्ट्र चुनाव में मनसे की जमानत जब्त हो गई। राज ठाकरे की पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी। राज ठाकरे ने अपने बेटे अमित ठाकरे सहित 125 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे लेकिन एक भी सीट पर मनसे का खाता नहीं खुला।

मनसे को कितने व वोट मिले?

चुनाव आयोग के मुताबिक, मनसे को महाराष्ट्र चुनाव में केवल 1.55 फीसदी वोट मिले हैं। महाराष्ट्र में राज ठाकरे के सियासी हालात क्या हैं, उसे इसी बात से समझा सकता है कि उनका बेटा भी चुनाव नहीं जीत पाया। माहिम विधानसभा सीट पर अमित ठाकरे को करारी हार झेलनी पड़ी। उद्धव गुट के नेता महेश सावत ने अमित ठाकरे को हरा दिया। माहिम में अमित ठाकरे तीसरे स्थान पर रहे। अमित को 33062 वोट मिले। दूसरे स्थान पर अजित गुट के नेता सदा सरवणकर (48897 वोट) रहे।

महाराष्ट्र में किसे मिली कितनी सीटें?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महयुति को प्रचंड जीत मिली। बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उसने अभी तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। महाराष्ट्र में बीजेपी को 132, शिंदे की शिवसेना को 57 और अजित की एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। एनडीए ने कुल 230 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं, महाविकास अघाड़ी में उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) को 20, कांग्रेस को 16 और शरद पवार की एनसीपी को 10 सीटें मिलीं।

संभल हिंसा

शाही जामा मस्जिद के सदर गिरफ्तार, पुलिस बोली- 'इनका रोल है गड़बड़'

संभल हिंसा के मामले शाही जामा मस्जिद के सदर गिरफ्तार, पुलिस बोली- 'इनका रोल है गड़बड़'

● मंथन विदेश ब्यूरो

संभल। संभल में हुई हिंसा के बाद स्थितियां नियंत्रण में है। यहां पर इंटरनेट बंद कर दिया गया और स्कूलों में भी छुट्टी घोषित की गई है। पुलिस ने अब तक 2750 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया है। संभल स्थित शाही जामा मस्जिद की रविवार 24 नवंबर को दूसरी बार टीम सर्वे करने पहुंची थी। इस दौरान हिंसा भड़क गई थी और भीड़ ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के कई जवान घायल हो गए।

इस मामले में पुलिस ने 24 नवम्बर को कई लोगों को हिरासत में लिया था। इसी क्रम में 25 नवंबर को भी पुलिस शाही जामा मस्जिद के सदर (अध्यक्ष) जफर अली को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

'आपका रोल है गड़बड़': पुलिस एक्शन और गिरफ्तारी पर शाही जामा मस्जिद के सदर (अध्यक्ष) जफर अली ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई के वक्त पूछा कि मेरा क्या कसूर है, मुझे क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है। इस पर पुलिस ने कहा, 'आरोप ये है कि आपका रोल गड़बड़ है, इसलिए हिरासत में ले रहे हैं।' शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली की हिरासत का पुलिस ने खंडन किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा कि शाही जामा मस्जिद के सदर को साक्ष्य के आधार पर हिरासत में लिया गया है।

सपा सांसद पर दर्ज हुआ मुकदमा

संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने मीडिया को बताया कि हिंसा में घायल सब इंस्पेक्टर एसपी चौकी प्रभारी दीपक राठी ने 800 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सोहेल इकबाल को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इन लोगों पर भीड़ को भड़काने का आरोप है।संभल जामा मस्जिद में सर्वे के बाद से ही तनाव की स्थिति है, फिलहाल मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया है। अभी तक इस हिंसा में 7 एफआईआर में कुल 2750 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है और 25 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी पुलिस ने दी है।

देश के 130 करोड़ लोगों को आधार मुहैया करवाने वाले नंदन निलेकणि

इन्फोसिस के चेयरमैन के अलावा नंदन निलेकणि कई इंप्रोमाइज पदों पर काम कर चुके हैं, भारत के 130 करोड़ लोगों को आधार नंबर मुहैया करवाने में नंदन निलेकणि का बड़ा हाथ है। नंदन नीलेकणी का जन्म 2 जून 1955 को बेंगलोर, कर्नाटक में हुआ था। उनके माता-पिता दुर्गा और मोहन राव नीलेकणी कोंकणी ब्राह्मण समुदाय से हैं मूल रूप से कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी शहर से हैं। उनके पिता ने मैसूर और सिनर्वा मिल्स के महाप्रबंधक के रूप में काम किया और फैबियन समाजवादी आदर्शों की सदस्या तो, जिन्होंने अपने शुरुआती वर्षों में नीलेकणी को प्रभावित किया। नीलेकणी के बड़े भाई विजय अमेरिका के न्यूक्लियर एनर्जी इंस्टीट्यूट में काम करते हैं। नीलेकणी ने बिशप कॉटन बॉयज़ स्कूल और सेंट जोसेफ हाई स्कूल धारवाड़, कर्नाटक पीयू कॉलेज धारवाड़ से अध्ययन किया और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने बैंगलोर के बिशप कॉटन बॉयज स्कूल, सेंट जोसेफ हाई स्कूल और पीयू कॉलेज धारवाड़ से पढ़ाई की और इसके बाद वे आईआईटी बॉम्बे पहुंचे जहां से

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज के सह संस्थापक नीलेकणी ने वर्ष 1981 में कंपनी को इसकी शुरुआत के साथ एक निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दी।

इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि

भारत सरकार ने इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि और नेशनल हेल्थ अथॉरिटी सीईओ आर एस शर्मा को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के 9 सदस्यों वाली एडवाइजरी काउंसिल में शामिल किया है। 24 अगस्त 2017 को इन्फोसिस के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पे आर शेषशायी और रवि वेंकटेशन की जगह ली, जो की बोर्ड के सह-अध्यक्ष थे। विशाल सिक्का के बाहर निकलने के बाद, नीलेकणी को बोर्ड के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। वह भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अध्यक्ष थे। इंफोसिस में एक सफल कैरियर के बाद, उन्होंने भारत सरकार की प्रौद्योगिकी समिति, टीएजीयूपी का नेतृत्व किया।

भारत सरकार के उद्योग एवं उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) नाम के एक प्रोजक्ट की शुरुआत की है और इसको संभालने जिम्मेदारी क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) को दी गई है। इस सर्विस को पूरे वैल्यू चेन को डिजिटाइज करने और पूरे काम काज को स्टैंडर्डाइज करने और सप्लायर को प्रमोट करने के साथ लॉजिस्टिक में एफिशिएंसी बढ़ाने और कंन्यूमर्स के लिए वैल्यू को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। ओएनडीसी की सलाहकार समिति में नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के सीईओ डॉ आर एस शर्मा, इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कुमार राजागोपालन शामिल हैं।

नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री गैलेंट के खिलाफ दुनिया के कई देशों में हिरासत में लेने का खतरा बढ़ गया है

अरेस्ट वारंट के बाद नेतन्याहू को लगा एक और बड़ा झटका, हमास ने गाजा में 15 इजरायली सैनिकों को मारा

● मंथन विदेश ब्यूरो

न्यूज डेस्क। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। ऐसे में इन दोनों नेताओं को दुनिया के कई देशों में हिरासत में लेने का खतरा बढ़ गया है। मगर इस बीच हमास ने इजरायली सेना पर बड़ा हमला बोला। हमास ने 15 इजरायली सैनिकों के मारने का दावा किया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू आईएएनएस, गाजा। हमास ने एक बड़ा दावा किया है। उसने कहा कि उसके सैन्य ब्रिगेड अल-कस्साम के लड़ाकों ने उत्तरी गाजा के बेत लाहिया में लगभग 15 इजरायली सैनिकों को मार गिराया है। एक प्रेस बयान में अल-कस्साम ब्रिगेड ने कहा कि उसके लड़ाकों ने इजरायली पैदल टुकड़ी को निशाना बनाया है। इसके अलावा उत्तरी गाजा के जबालिया कैंप के पश्चिम में सफतावी क्षेत्र के पास एक इजरायली मर्कवा टैंक को भी निशाना बनाया गया है। यह जानकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने दी है। उधर, इस्लामिक जिहाद मूवमेंट की सशस्त्र शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड का कहना है कि उसने सेंट्रल जाबालिया कैंप में जाबालिया सर्विसेज क्लब के पास इजरायली सैनिकों और वाहनों के जमावड़े को 60 मिमी मोर्टार के गोले से निशाना बनाया। हालांकि इजरायली सेना ने इन हमलों के संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने रद किया इजरायल का दौरा

नीदरलैण्ड के विदेश मंत्री वेल्डकैंप ने बेंजामिन नेतन्याहू के गिरफ्तारी वारंट के बाद अपना इजरायली दौरा रद कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने मंत्री के हवाले से कहा कि यात्रा रद करने का फैसला आपसी सहमति से लिया गया है। वेल्डकैंप आने वाले दिनों में इजरायल की यात्रा करने वाले थे। हालांकि सटीक तारीखों का खुलासा नहीं किया गया था। मगर रिपोर्ट्स बताती हैं कि वेल्डकैंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की संभावित गिरफ्तारी का संकेत देने वाली अपनी टिप्पणी के बाद यात्रा रद की है।